SET-3

Series JMS/2

कोड नं.
Code No. **3/2/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दार्शनिक अरस्तू ने कहा है – "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए ।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता । अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे । इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं । किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती । समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं । जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है । समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं । समय निरंतर गतिमान है । इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए । साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए । सफल जीवन की यही कुंजी है ।

(क) जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं ? *2*

(ख) भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान क्यों कहा गया है ? *2*

(ग) दार्शनिक अरस्तू के कथन का आशय लिखिए । *2*

(घ) लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा तो आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल, किरनों को मुस्काने दो ।

ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक-दमक, आपा-धापी है, पर जीवन का नाम नहीं
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो ।

हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी, रुकता क्यों उपवास नहीं ।
बाबा की सूनी आँखों में चुभता तिमिर भागने दो ।

हर उदास राखी गुहारती, भाई का वह प्यार कहाँ ?
डरे-डरे रिश्ते भी कहते, अपनों का संसार कहाँ ?
गुमसुम गलियों को मिलने दो, ख़ुशबू तो बिखराने दो ।

(क) 'ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(ख) सूर्य द्वार से ही क्यों लौट जाएगा ? *2*

(ग) आज रिश्तों के डरे-डरे होने का कारण आप क्या मानते हैं ? *1*

(घ) 'तिमिर' शब्द का अर्थ लिखिए । *1*

(ङ) कवि ने क्या संदेश दिया है ? *1*

अथवा

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना ।
पर जो बार-बार बाधा बन के आएँ,
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना ।
जानबूझ कर जो मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें ।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ,
उतनी ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने ।
रख अपनी पतवार, कुदाली को लेकर
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ ।
राह बनाकर नाव चढ़ाए जाता हूँ,
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ ।

(क) राह में आने वाली बाधाओं के साथ कवि कैसा व्यवहार करता है ? *2*

(ख) कवि ने हमें क्या प्रेरणा दी है ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) कवि ने अपना माँझी किसे कहा है ? *1*

(घ) 'उन्नत भाल' का क्या आशय है ? *1*

(ङ) 'जीवन की नैया का चतुर खिवैया' किसे कहा गया है ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) माँ ने कहा कि शाम को जल्दी घर आ जाना । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(घ) पान वाले के लिए यह मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : *1×4=4*

(क) हालदार साहब ने पान खाया । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं । (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) गांधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) पान कहीं आगे खा लेंगे । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) खिलाड़ी दौड़ नहीं सका । (भाववाच्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में से ***किन्हीं चार*** रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) सुरभि विद्यालय से अभी-अभी आई है ।

(ख) उसने मेरी बातें ध्यानपूर्वक सुनी ।

(ग) शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा काम किया ।

(घ) वहाँ दस छात्र बैठे हैं ।

(ङ) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) 'भयानक रस' का एक उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए :

तनकर भाला यूँ बोल उठा
राणा ! मुझको विश्राम न दे ।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ
तू तनिक मुझे आराम न दे ।

(ग) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है ?

(घ) 'शांत' रस का स्थायी भाव क्या है ?

(ङ) किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ । धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें । पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे । उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं... केवल दिया ही दिया । हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता ।

(क) माँ की उपमा धरती से क्यों की गई है ? *2*

(ख) लेखिका को माँ का कौन-सा रूप अच्छा नहीं लगता था ? क्यों ? *2*

(ग) लेखिका और उसके भाई-बहिनों की सहानुभूति किसके साथ थी ? *1*

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) दो उदाहरण दीजिए जिनसे आपको लगा हो कि बालगोबिन भगत सामाजिक रूढ़ियों से न बँधकर प्रगतिशील विचारों का परिचय देते हैं ।

(ख) नवाब साहब ने खीरा खाने की पूरी तैयारी की और उसके बाद उसे बिना खाए फेंक दिया । इस नवाबी व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) फ़ादर कामिल बुल्के के हिन्दी के प्रति लगाव के दो उदाहरण पाठ के आधार पर दीजिए ।

(घ) मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का प्रभाव किस रूप में पड़ा ?

(ङ) कैसे कह सकते हैं कि "काशी संस्कृति की प्रयोगशाला" है ? 'नौबतख़ाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

लखन कहा हँसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोहि ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

(क) परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ? *2*

(ख) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर लिखिए कि परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा । *2*

(ग) परशुराम के बारे में कौन-सी बात विश्व प्रसिद्ध थी ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'उत्साह' कविता में कवि बादल से क्या अनुरोध करता है ?

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए :

"छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?"

(ग) 'छाया मत छूना मन' में 'छाया' किसका प्रतीक है ? उसे छूने को मना क्यों किया गया है ?

(घ) 'कन्यादान' कविता का संदेश संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) मँजे हुए प्रतिष्ठित संगीतकार को भी अच्छे संगतकार की आवश्यकता क्यों होती है ?

11. 'माता का अंचल' पाठ की दो बातों का उल्लेख कीजिए जो आपको अच्छी लगी हों । इनसे आपको क्या प्रेरणा मिली ? *4*

अथवा

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा
- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव

(ख) मित्र की परख संकट में
- भले दिनों के मित्र
- बुरे दिनों के मित्र
- मित्र की परख

(ग) मेरी कल्पना का विद्यालय
- विद्यालय में क्या है अनावश्यक
- क्या-क्या है आवश्यक
- विद्यालय और परिवेश

13. पड़ोस में आग लगने की दुर्घटना की ख़बर तुरंत दिए जाने पर भी दमकल अधिकारी और पुलिस देर से पहुँचे जिससे आग ने भीषण रूप ले लिया । इसके बारे में विवरण सहित एक शिकायती-पत्र अपने ज़िला अधिकारी को लिखिए । *5*

अथवा

पढ़ाई छोड़कर घर बैठे छोटे भाई को समझाते हुए पत्र लिखिए कि पढ़ना क्यों आवश्यक है । पत्र ऐसा हो कि उसमें नई उमंग का संचार हो सके ।

14. आपके शहर में एक नया वाटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है । इसके लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं । इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए ।